भा. कृ. अनु. प. – राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर
ICAR - National Soybean Research Institute, Indore

सोया कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह (2026)
Weekly Soybean Advisories for for Soybean Growers (2026)

फा.क्र./File No. टेक 10-6/2026 खरीफ 2026

File. No. Tech 10-6/2026/Weekly Soybean Advisory **Date: 08.06.2026**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (15-21 जून 2026 / 15-21 June 2026)

सोया कृषकों को सलाह हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन होने तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने पर ही सोयाबीन की बोवनी करें. अल नीनो के कारण सुखें की संभावित स्थिति की जोखिम को कम करने हेतु उपाय (कम/मध्यम समयावधि वाली एक से अधिक किस्मों की खेती, नमी संरक्षन तकनीकी वाले बोवनी यन्त्र जैसे BBF/रिज फरो/रेज बीएड) से बोवनी करने को प्राथमिकता दे. साथ ही उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से कृपया निम्नलिखत सस्य क्रियाओं के अनुपालन करें.

Soy Farmers are advised to conduct of soybean crop only after the arrival of monsoon in their area and receipt of 100 mm rainfall. In light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to grow at least two soybean varieties with early or medium maturity duration, use of BBF/Ridge & Furrow/Raised bed planting method in order to avoid risk due to expected drought situation or long dry spells. They are also advised to adopt following agronomic practices to ensure yield stability.

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (15-21 जून 2026 / 15-21 June 2026)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मानसून के आगमन एवं सोयाबीन फसल की बोवनी की स्थिति की सम्भावना देखते हुए कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही हैं.
Considering the arrival of monsoon in major soy growing areas as well as optimum time of sowing, farmers are suggested to follow following measures.

1. **बोवनी का समय** : जून माह के दुसरे पखवाड़े से सोयाबीन की बोवनी के लिए उपयुक्त समय होता हैं. लेकिन सलाह हैं कि अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें. देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, बीज दर एवं कतारों की दुरी बाबत जानकारी तालिका 1 में दी जा रही हैं.

Optimum Time of Sowing: The optimum time for sowing of soybean crop is second fortnight of June. However, farmers are advised to go for sowing only after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area. The zone-wise information on optimum time of sowing, spacing and seed rate is given in Table-1.

क्षेत्र Zone	उचित बुआई का समय* Optimum Time of Sowing	बीज दर Seed Rate (kg/ha (कि.ग्रा/.हे)	कतारों की दूरी (सेमी.) Row Spacing cm
मध्य (Central)	जून June 20- 5जुलाई/July	65-80	30-45

	उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill)	15- 30जून/June	55	45	
	उत्तर मैदानी (Northern Plain)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45	
	पूर्वी (Eastern)	15- 30जून/June	55	45	
	दक्षिण (Southern)	15- 30जून/June	65	30	

2. **किस्मों की विविधता:** प्रत्येक वर्ष एक ही किस्म की खेती के विपरीत अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों की खेती करें. देश के विभिन्न क्षेत्रो के लिए अनुशंसित एवं नोटीफाईड किस्मों की जानकारी तालिका 2 में दी जा रही हैं.

Selection of Varieties: Instead of sowing single popular variety every year, cultivation of more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) is advised. The zone-wise list of notified soybean varieties recommended for different areas is given in Table-2.

मध्य प्रदेश/मालवा के ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगाते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें.

Farmers of Malwa/Madhya Pradesh who prefer to grow three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion-wheat for example) may select short duration soybean varieties. Similarly, those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.

3. **अंतरवर्ती फसलों का प्रयोग:** असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंर्तवर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंर्तवर्तीय फसलों की काश्त करें, जिससे रबी फसल की बौवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।

Intercropping in Soybean: Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent *rabi* crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.

4. **बीज की गुणवत्ता**: बोवनी के लिए चयनित किस्मों के बीज का अंकुरण परिक्षण न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें.

Quality Test of Available Seed: Carry out germination test for available seed of selected soybean varieties which should be minimum 70%.

5. **पोषण प्रबंधन:** अपने खेत की उर्वराशक्ति बनाये रखने हेतु बोवनी से पहले ही अनुशंसित कार्बनिक खाद (गोबर की खाद/कम्पोस्ट @ 5-10 टन/हे या मुर्गी की खाद @2.5 टन/हे.) डालें. इसके अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. देश के विभिन्न क्षेत्रो के लिए अनुशंसित पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं उनकी पूर्ति हेतु स्त्रोतो के विभिन्न विकल्प तालिका 2 में दी जा रही हैं.

Fertilizer Application: In addition to organic manures (FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha applied before sowing), farmers are advised to apply the recommended quantity of

all the nutrients (25:60:40:20 N:P_2O_5:K_2O:S kg/ha). The nutritional dose recommended for different areas of the country are given below:

देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, एवं बीज दर तथा बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक एवं खरपतवार नाशकों की सूची

क्षेत्र	उचित बुआई का समय *	बीज दर (कि.ग्रा/.हे)	एनःपीःकेःएस (कि.ग्रा/.हे.)	उर्वरकों के स्त्रोत एवं मात्रा**
मध्य	जून 20- 5जुलाई	65	25:60:40:20	56 कि .ग्रा युरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी	जून 20- 5जुलाई	65	25:75:25:37 5.	56 कि .ग्रा युरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि. ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
पूर्वी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण	15- 30जून	65	25:80:20:30	56 कि .ग्रा युरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

* मानसून आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर) After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

Zone-wise sowing time, seed rate and list of recommended fungicides and herbicide for soybean

Zone	Time of sowing *	Seed Rate (kg/ha)	NPKS (kg/ha)	Fertilizer Sources and Quantity**
Central	June 20-5th July	65	25:60:40:20	56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MOP
North-East Hill	15th to 30th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Northern Plain	June 20-5th July	65	25:75:25:37.5	56 kg Urea+470 kg SSP+ 42 kg MOP
Eastern	15th to 30th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Southern	15th to 30th June	65	25:80:20:30	56 kg Urea+500 kg SSP+34 kg MOP

* After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा 25:60:40:20 kg/NPKS/ha की पूर्ति हेतु विभिन्न विकल्प निम्नानुसार हैं, The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations:

पोषक तत्व/उर्वरकों का प्रयोग Application of Nutrients/fertilizer sources 25:60:40:20 एनःपीःकेःएस (कि.ग्रा/.हे.) NPKS (kg/ha)	
जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया की अनुपस्थिति में संतुलित पोषक तत्वों की मात्रा Without using consortia	फफुन्दनाशक+कीटनाशक से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया के प्रयोग से से उर्वरकों की संतुलित मात्रा में 25 % कटौती

	1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा** 2. डी.ए.पी 140 किग्रा किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा** 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर 4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)	1. यूरिया 40 कि.ग्रा. + 280 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा** 2. डी.ए.पी 100-105 किग्रा .+ 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा** 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @150 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर 4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)

6. **कतारों/पौधों की दुरी, गहराई एवं बीज दर,**: देश के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुशंसित बोवनी की तिथियां, बीज दर तथा उर्वरकों की मात्रा सम्बंधित जानकारी परिशिष्ट अ में दी जा रही हैं. जबकि, मध्य क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के सोया कृषकों को सलाह हैं कि वे कृपया बोवनी के समय निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन करे. The zone-wise details of sowing time, seed rate and nutritional dose is given in Annexure-A. However, the farmers of Central Zone especially Madhya Pradesh are suggested to adopt following agronomic practices.

सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice	**शीघ्र पक्केवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety**	**मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration**
कतारों की दुरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm
पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.
बीज दर seed rate*	80-90 किग्रा/हे (kg/ha)	65-70 किग्रा/हे kg/ha.
बीज की गहराई sowing depth	2-3 सेमी cm.	2-3 सेमी cm.
बोवनी की पद्धति Sowing method	बी.बी.एफ./रिज-फरों/रेज बेड/परंपरागत सीड ड्रिल द्वारा Using BBF/FIRB/Raised Bed method	

7. विगत कुछ वर्षों से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह हैं कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.

The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains are increasingly experienced in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.

चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी

कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी

8. **फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार**: सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटो से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं. इसके लिए अनुशंसित FIR विधि में शामिल फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों की सूचि एवं मात्रा निम्नानुसार हैं. In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides using FIR sequence .

बीजोपचार हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ .एस.	10 मि.ली/.कि.ग्रा . बीज
ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 6%+ थियोफैनेट मिथाइल 9.5% थाइमेथोक्सम 24% एफएस	2 मिली/किग्रा बीज
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 1.5% + कार्बेन्डाजिम 8 थायामेथोक्साम 30% एफएस w/w)	100ग्राम
पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS	.08-1 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
बीजोपचार हेतु अनुशंसित कीटनाशक	
थायोमिथोक्सम 30 FS 10 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज या इमिडाक्लोप्रिड 48 FS1.25 मि.ली/.कि.ग्रा.बीज	

Recommended Fungicide for Seed Treatment	
Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 ml/kg seed
Trifloxystrobin 6% +Thiophanate Methyl 9.5%+Thaimethoxam 24% FS	2 ml/kg seed
Azoxystrobin 1.5% + Carbendazim 8.0% + Thiamethoxam 30% FS w/w	100 g
Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS	0.8-1 ml/kg seed
Carboxin37.5%+ Thiram37.5%WS	3g/kg seed
Carbendazim + Mancozeb WP	3g/kg seed
Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 ml/kg seed
Recommended Insecticide for seed treatment	
Thiamethoxam 30 FS @10 ml/kg seed OR Imidacloprid 48 FS @1.25 ml/kg seed	

9. **जैविक कल्चर से टीकाकरण**: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे . कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं. (बीजोपचार एवं टीकाकरण में निश्चित क्रम (फफूंदनाशक-कीटनाशक-जैविक कल्चर का अनुपालन करें).

	Seed Inoculation: During sowing, it is advised to inoculate the seed with Bradyrhizobium *japonicum* and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. *Trichoderma viride* (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. The seed should be treated in FIR order ie.treat first with fungicide followed by insecticide and then by Bradyrhizobium culture
10	**खरपतवारनाशी का प्रयोग:** कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 4) . कृषकों को सलाह हैं कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पॉवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.
	Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-4) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 liter using knapsack sprayer or 120 liter in case of power sprayer)

सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशक Recommended PPPI and Pre-emergence Herbicides in Soybean (as per the list of CIB released on 31.03.2026)

1. **केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा दिनांक 31.03.2026 को जारी सोयाबीन फसल में अनुशंसित बोवनी पूर्व एवं बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खपतवारनाशकों की सूची**

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन 45% EC	2.22-3.33 l/ha
2	बौवनी के तुरन्त बाद(पीई)	पाइरोक्सासल्फोन 63.75 % + डाइक्लोसुलम 13.00 % W/W WG	200 ग्रा.
		मेटोलाक्लोर 35.98% + सल्फेंट्राजोन 11.51% w/w EC	2.5ली.
		डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.

		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.

2. List of herbicides PPI and PE herbicides recommended for soybean (as per CIB lable claims 31.03.2026)

S.No.	Application Timing	Chemical Name / Formulation	Dose per Hectare
1	**Pre-Plant Incorporation (PPI)**	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE (22.5 + 875 a.i. ha)	2.51 L
		Pendimethalin + Imazethapyr	2.5–3.0 L
		Fluchloralin 45% EC	2.22–3.33 L
2	**Pre-Emergence (PE)** (Immediately after sowing)	Pyroxasulfone 63.75% + Diclosulam 13.00% W/W WG	200 g
		Metolachlor 35.98% + Sulfentrazone 11.51% w/w EC	2.5 L
		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.51 L
		Diclosulam 84 WDG	26–30 g
		Sulfentrazone 39.6 SC	0.75 L
		Clomazone 50 EC	1.50–2.00 L
		Pendimethalin 30 EC	2.50–3.30 L
		Pendimethalin 38.7 CS	1.50–1.75 kg
		Flumioxazin 50 SC	0.25 L
		Metribuzin 70 WP	0.75–1.00 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1.25 L
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
		Metolachlor 50 EC	2.00 L

****